No. of Printed Pages : 7

ESO-05/15

08269

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2013

ELECTIVE COURSE : SOCIOLOGY
ESO-05/15 : SOCIETY AND RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *The question paper has* ***three*** *sections. Attempt the questions as instructed in each section.*

SECTION-I

Answer ***any two*** of the following questions in about ***500*** words each.

1. Discuss the social background of the emergence of sociology of religion. 20

2. 'Religion determines economic behaviour'. Discuss. 20

3. Examine on social and historical background of the rise of veerashaivism. 20

4. Describe the social significance of religious pilgrimages. 20

SECTION-II

Answer ***any four*** of the following questions in about ***250*** words each.

5. Discuss the social significance of life-cycle rituals. **12**

6. What is a religion movement ? Explain with appropriate examples. **12**

7. Outline the nature and development of civil religion. **12**

8. Distinguish with examples the notions of "belief" and "rituals". **12**

9. Describe Evans-Pritchard's approach to the understanding of religion. **12**

10. Critically examine the role of Arya Samaj in Woman's Emancipation. **12**

11. Distinguish between shamans, priests and prophets. **12**

SECTION-III

Answer ***any two*** of the following questions in about ***100*** words each.

12. What is fundamentalism ? 6

13. Define secularization. How does it differ from secularism ? 6

14. What are the major features of tribal religion ? 6

15. What is religion pluralism ? 6

ई.एस.ओ.-05/15

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : समाजशास्त्र

ई.एस.ओ.-05/15 : समाज और धर्म

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न पत्र के **तीन भाग** हैं। प्रत्येक भाग के निर्देशानुसार, प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग-I

किन्हीं दो प्रश्नों (प्रत्येक का) उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म के समाजशास्त्र की मूल उत्पत्ति की सामाजिक पृष्ठभूमि की चर्चा कीजिए। 20

2. 'धर्म आर्थिक व्यवहार का निर्धारण करता है' -चर्चा कीजिए। 20

3. वीरशैववाद के उदय की सामाजिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जाँच कीजिए। 20

4. धार्मिक तीर्थयात्राओं के सामाजिक महत्व का वर्णन कीजिए। 20

भाग-II

किन्हीं चार प्रश्नों (प्रत्येक का) उत्तर लगभग *250* शब्दों में दीजिए।

5. जीवन -चक्र अनुष्ठानों के सामाजिक महत्व की चर्चा कीजिए। **12**

6. धार्मिक आंदोलन क्या है ? उपयुक्त उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए। **12**

7. नागरिक (सिविल) धर्म की प्रकृति एवं विकास पर प्रकाश डालिए। **12**

8. ''आस्था'' और ''अनुष्ठान'' की धारणाओं के अंतर को, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **12**

9. ईवन्स-प्रिचार्ड के धर्म की समझ पर आधारित दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। **12**

10. महिला उद्धार में आर्य समाज की भूमिका की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। **12**

11. शामन, पादरी और पैगम्बर के अंतर को स्पष्ट कीजिए। **12**

भाग-III

किन्हीं दो प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

12. कट्टरतावाद क्या है? 6

13. लौकिकीकरण को परिभाषित कीजिए। यह धर्मनिरपेक्षवाद से कैसे भिन्न है? 6

14. जनजातीय धर्म की मुख्य विशेषताएं क्या है? 6

15. धार्मिक बहुलवाद क्या है? 6